पिछड़े जनजातीय क्षेत्रों के विकास से संबंधित योजनायें

*517. **श्री अजीत जोगी:**
श्री एस॰एस॰ सुरजेवाला:

क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) किन-किन राज्य सरकारों ने पिछड़े जानजातीय क्षेत्रों के विकास से संबंधित योजनायें केन्द्र के पास भेजी हैं;

(ख) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में वित्तीय स्वीकृति कब तक दे दी जाएगी तथा राज्य सरकारों को धनराशि कब तक उपलब्ध करा दी जाएगी?

कल्याण मंत्री (श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया): (क) से (ग) कल्याण मंत्रालय की कोई योजना नहीं है जिसके अंतर्गत राज्यों से पिछड़े आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए प्रस्ताव भेजने अपेक्षित हैं। आदिवासी क्षेत्रों के विकास सहित आदिवासी विकास का अनुसरण आदिवासी उप-योजना, जो राज्यों की वार्षिक योजना के अंतर्गत एक उप-योजना है, के माध्यम से किया जाता है। केन्द्र सरकार आदिवासी उप-योजना के अंतर्गत राज्य सरकार के प्रयासों को पूरा करने के लिए विशेष केन्द्रीय सहायता के रूप में परिवारोन्मुखी आय सृजक योजनाओं में प्रयोग किए जाने के लिए योजना की व्यवस्था करती है। इसके अतिरिक्त, केन्द्र सरकार संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्रों में प्रशासन को मजबूत करने के लिए सहायता भी प्रदान करती है। विशेष केन्द्र प्रायोजित/सेक्टर योजनाओं के अंतर्गत निधियां भी शैक्षिक कार्यक्रमों, लघु वन उत्पाद के विपणन, कौशल विकास, अनुसंधान और प्रशिक्षण आदि के लिए निर्मुक्त की जाती हैं। चूंकि क्षेत्र विकास के लिए कार्यक्रमों को आदिवासी उप-योजना के अंतर्गत आरम्भ किया जाता है इसलिए राज्य सरकारों का योजनाओं को केन्द्र सरकार को भेजने का प्रश्न नहीं उठता।

श्री अजीत जोगी: सभापति, महोदय, मैं मंत्री जी के उत्तर से निकलता हुआ प्रश्न पूछना चाहता हूं, ट्राइबल सब-प्लान्स के बारे में। 7वीं पंचवर्षीय योजना में ट्राइबल सब-प्लान्स के लिए केन्द्र सरकार ने पैसा देना चालू किया, उस समय वह कुल बजट का कितने प्रतिशत होता था और आज जो आप ट्राइबल सब-प्लान्स के लिए पैसा दे रहे हैं—आदिवासियों के लिए, उनके क्षेत्रों के विकास के लिए, वह भारत के पूरे बजट का कितना प्रतिशत है और यह कम क्यों होता जा रहा है? कम होता जा रहा है तो इसको रोकने के लिए आप क्या करेंगे? और

(ख) यह कि जो ट्राइबल सब-प्लान्स के लिए पैसा जाता है, काफी पैसा जाता है, पर आदिवासियों के नाम पर गैर आदिवासियों के लाभ के लिए वह खर्च होता है। सड़क बन जाती है कि आदिवासियों के लिए बनाई गई, पर उससे लाभान्वित होने वाले अधिकांश लोग गैर आदिवासी होते हैं। इसी तरह से जो भी पैसा सब-प्लान्स के नाम से केवल आदिवासियों के लिए भेजा जा रहा है, उसको गैर आदिवासियों के लाभ के लिए राज्य सरकारें खर्च करती जा रही हैं। तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस पर कोई अध्ययन हुआ है कि इस तरह से पैसे का डाइवर्शन हो रहा है?

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया: सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो कहा है वह सच है कि पैसा कम होता जा रहा है और पैसे का प्रयोग राज्य सरकारें किसी और दिशा में कर देती हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि ट्राईबल एरियाज़ के लिए जो बात कही गई है, हमारा मंत्रालय या केन्द्रीय सरकार उसमें सीधे पैसा नहीं देती। हम ट्राईबल्स की फैमिली इनकम जनरेशन के लिए... **(व्यवधान)**

SHRI AJIT P.K. JOGI: Sir, I have put a specific question. What percentage of the total Plan" outlay was being earmarked for tribal sub-plans earlier? What is that percentage now? Why has that percentage come down? What will you do to arrest the decrease in the allocation?

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया: मैं उसी पर आ रहा हूं। कानून के मुताबिक जितनी पापुलेशन है ट्राईबल्स की, प्लान का उतना प्रतिशत उनको जाना चाहिए। कम इसलिए हो रहा है क्योंकि...**(व्यवधान)**

श्री अजीत जोगी: कितना था और अब कितना हो गया, यह बताइए।

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया: इसके लिए मुझे नोटिस चाहिए।

SHRI AJIT P.K. JOGI: This arises out of the main question. I have asked for what the allocation, which he is making is. He says I have to give a separate notice.

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया: सर, ट्राईबल एरियाज़ के लिए इन्होंने पूछा है...**(व्यवधान)...**

SHRI AJIT P.K. JOGI: Tribal sub-plans arc for tribal areas only.

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया: मैं ट्राईबल सब-प्लान की बात कर रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि ट्राईबल ऐरियाज़ के लिए सीधी स्कीम नहीं है। ट्राईबल्स के लिए जो स्कीमें हैं, वह मैं पढ़कर सुना देता हूं...**(व्यवधान)...**

SHRI AJIT. P.K. JOGI: What was the percentage earlier and what is it now? This is my specific question.

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: अगर आप प्रतिशत नहीं बता सकते तो राशि बताइए।

श्री अजीत जोगी: कुल बजट का कितना प्रतिशत पहले दे रहे थे? सातवीं पंचवर्षीय योजना में, आठवीं पंचवर्षीय योजना में कितना दे रहे थे और अब कितना दे रहे हैं, यह मैं जानना चाहता हूं...**(व्यवधान)**

सभापति महोदय, मंत्री जी यह सोचकर आए थे कि यह प्रश्न आज आएगा ही नहीं, मैं भी यही सोचकर आया था।

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया: मेरे पास इस वक्त राशि की पूरी जानकारी नहीं है। मैं वह जानकारी बाद में दे दूंगा। ट्राईबल ऐरियाज़ के लिए आपने प्रश्न किया है, उस संदर्भ में मैं यह कहना चाहता हूं कि उनकी इनकम जनरेशन, सैल्फ-इम्प्लायमेंट, स्कूलिंग, एजुकेशन, स्वास्थ्य, आदि के लिए जो स्कीमें हैं, उनका ब्यौरा मेरे पास है कि हम कितना-कितना इन स्कीमों में देते हैं।

श्री अजीत जोगी: मैंने जो पूछा है, उसका ब्यौरा नहीं है आपके पास। आप जो बताना चाह रहे हैं, उसका ब्यौरा है आपके पास।

MR. CHAIRMAN: You send the information to the Member later.

SHRI AJIT P.K. JOGI: Sir, my second supplementary is this. **यह जो डाईवर्जन हो रहा है ट्राईबल फंड्स का नॉन-ट्राईबल कामों के लिए, उसके लिए क्या आप कोई उच्च-स्तरीय अध्ययन करएंगे विशेषज्ञों से और अगर यह बात सिद्ध होती है कि आदिवासियों के पैसे का उपयोग गैर-आदिवासियों के लिए किया गया है तो उसको रोकने के लिए आप क्या करेंगे?**

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया: ऐसी शिकायत हमारे पास आई है। मैं किसी राज्य का नाम नहीं लेना चाहता हूं। यह पैसा जो आदिवासियों के लिए सैंक्शन किया गया था, किसी ने उसको इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के बढ़ावे के लिए खर्च किया, बिजली उत्पादन के लिए खर्च किया, कुछ लोगों ने वापस जमा करा दिया... **(व्यवधान)**

श्री एस०एस० अहलुवालिया: कौन हैं वे राज्य? उन राज्यों के नाम लीजिए। कौन राज्य हैं? हमारा बिहार है कि नहीं? हमारे बिहार में हो रहा है कि नहीं?

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया: बिहार में नहीं हुआ।

श्री एस०एस० अहलुवालिया: कहिए बंगाल में हो रहा है कि नहीं?

SHRI AJIT P.K. JOGI: Sir, this is a serious problem. The funds allocated for the tribals are being used for the non-tribals. That is why I want him to make a study and to take corrective measures.

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया: इसको मैं दो हिस्सों में बांटना चाहता हूं। एक तो आपने कहा कि जब सड़क वहां पर बनती है तो सभी प्रयोग करते हैं। तो आपको यह ऐतराज़ है कि जब उस ऐरिया में सड़क बनाने का काम होता है तो उसको ट्राईबल की डेवलपमेंट के नाम से लिख दिया जाता है लेकिन असल में वह ट्राईबल की सीधी डेवलपमेंट नहीं है। मेरे पास स्कीम है। इन स्कीम के तहत ट्राईबल्स की फैमिलीज की इनकमिंग जेनिरेशन की सीधी बढ़त होती है। दूसरे आपने कहा कि क्या उसको डाइवर्ट किया जाता है। उसके जवाब में सर, मैंने कहा कि माननीय सदस्य को... **(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.